

# आदिवासियों की हजारों एकड़ जमीन कब्जे में

► राजस्व विभाग में वर्षों से जमे कुछ कर्मचारी कर रहे हेर-फेर

खंडवा, 19 जुलाई. आदिवासियों की जमीन पर कब्जे का खेल खंडवा जिले में नया नहीं है. इसमें दलों में बंटे नेता भी एक हो जाते हैं. राजस्व विभाग के वर्षों से जमे कुछ कर्मचारी भी हेर फेर कर रहे हैं. इन्हें सबका राजस्व रिकार्ड मुख जबानी याद है. अफसर तबादला इसलिए भी नहीं करते. मसाया सोलर प्लांट की जमीन का बड़ा हिस्सा भी इसी खेल का परिणाम है. खंडवा जिले में बने अन्य सोलर प्लांट की जमीन पहले किन आदिवासियों के नाम थी. इसकी परत खुलना भी जरूरी है. जमीनों के बड़े स्टॉल बनाकर माफिया दिल्ली, मुंबई के बड़े लोगों को वर्षों से दे रहे हैं. नियम तो यह है कि आदिवासी की जमीन कई पीढ़ी बाद भी वापस हो सकती है. यहां भी ऐसी कार्रवाई जरूरी है.

राजस्व विभाग में छोटे कर्मचारी वर्षों से जमे हैं. दबाव पड़ने पर अधिकारी इन्हें हल्का बदलकर टेंशन मुक्त कर देते हैं. बाद में ये वहीं आ जाते हैं. तृतीय श्रेणी कर्मचारी भी करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं. इन पर कार्रवाई कब होगी? चर्चा है कि पिछले कुछ वरिष्ठ अफसरों ने तो आदिवासियों की जमीन नेताओं

## 6 वर्षों से राजस्व विभाग में लंबा खेल

खंडवा जिला इसलिए चुना जाता है, क्योंकि यहां के लोग ज्यादा आपत्ति नहीं लेते. आश्रय की बात है कि इंदिरा सागर में ही खंडवा जिले के 168 गांव और एक बड़ा शहर आसानी से डुबो दिया गया. ऑकारेश्वर के भी काफी गांव इसके शिकार हुए. सोलर प्लांट के आधा दर्जन बड़े हिस्से बिजली वालों की चपेट में हैं. इससे तुलना की जाए तो नर्मदा पर बन रहे अन्य बांध लोगों ने बनने नहीं दिए. इंदिरा सागर और ऑकारेश्वर सागर भले सरकार की नीति हो, लेकिन खंडवा जिले के लोगों को इससे विशेष फायदा नहीं है, बल्कि यहां के विस्थापित दर-दर भटक रहे हैं. यहां के लिए परियोजनाओं से हुए लाभ का एक निश्चित प्रतिशत इसी क्षेत्र में खर्च किया जाना चाहिए. उस भी अधिकारी मज्जी के मुताबिक खर्चा कर इतिश्री कर लेते हैं.

## ► आदिवासियों की जमीन छिनी?

कलेक्टर गुप्ता ने बताया कि शिकायत की जांच से स्पष्ट होता है कि कंपनी द्वारा अनुमति प्राप्त करने के पूर्व ही आदिवासी कृषकों की भूमि पर सोलर प्लांट लगा कर उत्पादन करना शुरू कर दिया है, जो कि वैधानिक रूप से उचित नहीं है. कलेक्टर गुप्ता ने बताया कि कुछ प्रकरणों में अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों की जमीन कंपनी को अंतरित कर कंपनी द्वारा कब्जा प्राप्त किया गया व सोलर प्लांट लगाया गया, जो नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है. जांच में पाया कि बिना खसरे के नामांतरण के केवल कब्जे के आधार पर कंपनी द्वारा औद्योगिक उपयोग के लिए भूमि का डायवर्जन करवाया गया, जो मप्र भू राजस्व संहिता के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है. कलेक्टर पूर्व जिला दंडाधिकारी ऋषव गुप्ता ने जांच के निष्कर्ष बिंदुओं के आधार पर आदेश दिये हैं.

के दबाव में या अन्य तरीकों से पतली गली निकालकर सामान्य वर्ग के लोगों के नाम कर दों.

एक बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई से जमीन के माफियाओं की सांस फूल गई हैं. उन्हें डर है कि आदिवासियों की जमीन अन्य वर्ग के नाम वाले वर्षों पुराने सारे रिकार्ड भी खंगाले गए तो वह भी नहीं बच पाएंगे. कलेक्टर खंडवा ने संभागायुक्त इंदौर की ओर से आदिवासियों की जमीन

पर एक सोलर प्लांट लगाने के संबंध में शिकायत पर जांच संयुक्त कलेक्टर की अध्यक्षता में दल गठित कर कराई. दल द्वारा दिए गए जांच प्रतिवेदन में मसाया सोलर प्लांट के लिए खंडवा जिले के ग्राम धरमपुरी, कनवानी, भावसिंगपुरा, बडगांव माली तथा ग्राम सिवना में बड़ी संख्या में आदिवासियों की भूमि लेकर इस पर प्लांट स्थापित करने की बात सही पाई गई है.

# आरक्षक से तंग पिता-बेटे की मौत

► नागौद थाना पुलिस ने किया आरक्षक को गिरफ्तार

► मृतक के हाथ पर लिखा था आरोपी का नाम

सतना. पुलिस विभाग में पदस्थ एक आरक्षक पिता-पुत्र की मौत की वजह बन गया. दोनों ने फांसी लगाकर आत्महत्या की थी और दोनों की मौत के बाद पुलिस को सुसाइड नोट मिले.

अब नागौद थाना पुलिस ने आरक्षक को गिरफ्तार करते हुए उसे शुक्रवार को अदालत में पेश कर दिया गया. 16 जुलाई को नीरज बुनकर पिता रामसेवक बुनकर (30) निवासी विरसिंहपुर थाना सभापुर ने



रिपोर्ट किया था कि सुबह 6.45 बजे खबर मिलने पर वह गया तो देखा कि ससुर खेरवा टोला निवासी सुदामा प्रसाद बुनकर पिता स्व. बाबूलाल बुनकर (48) रामना मैदान नागौद की पार्किंग के पास

रिपोर्ट किया था कि सुबह 6.45 बजे खबर मिलने पर वह गया तो देखा कि ससुर खेरवा टोला निवासी सुदामा प्रसाद बुनकर पिता स्व. बाबूलाल बुनकर (48) रामना मैदान नागौद की पार्किंग के पास

## पिता के बाद बेटे को प्रताड़ना

मर्ग जांच में यह बात सामने आई कि मृतक सुदामा के पिता बाबूलाल कोरी की मौत करीब तीन वर्ष पहले फांसी लगाने से हुई थी, जिसमें आशीष कोरी व एक अन्य के विरुद्ध धारा 306 आईपीसी का प्रकरण पजीबद्ध किया गया था, जो न्यायालय में चल रहा है.

लगे शीशम के पेड़ पर तौलिया के फंदे से फांसी में झूल रहे हैं. इस रिपोर्ट पर मर्ग कायम कर मामले की विवेचना शुरू की गई थी. नगर परिषद के कर्मचारी सुदामा प्रसाद कोरी की मृत्यु के बाद उसके परिजनो ने हेमगामा करते हुए तत्काल आरोपी को गिरफ्तारी की मांग की थी. मृतक की हथेली पर आरोपी पुलिस आरक्षक का नाम लिखा था. आरोपी आशीष कोरी निवासी 108नगर नागौद के विरुद्ध धारा 306 आईपीएस का अपराध दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया.

मर्ग जांच में यह बात सामने आई कि मृतक सुदामा के पिता बाबूलाल कोरी की मौत करीब तीन वर्ष पहले फांसी लगाने से हुई थी, जिसमें आशीष कोरी व एक अन्य के विरुद्ध धारा 306 आईपीसी का प्रकरण पजीबद्ध किया गया था, जो न्यायालय में चल रहा है.

# राजा हत्याकांड में एक और आरोपी को जमानत

15 दिन से जेल में बंद था शिलोम जेम्स, सबूत छिपाने का है आरोप

नव भारत न्यूज इंदौर. शहर के बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड में सबूत छिपाने के आरोप में गिरफ्तार शिलोम जेम्स को आखिरकार शिलांग की अदालत से जमानत मिल गई. वह पिछले 15 दिन से अधिक समय से जेल में बंद था. हालांकि कोर्ट से मिली जमानत किन शर्तों पर दी गई, यह साफ नहीं हो पाया है. शिलोम के साथ इस केस में बिल्डिंग मालिक लोकेन्द्र तोमर और बलवीर को

भी आरोपी बनाया था. इन दोनों को पहले ही जमानत मिल चुकी है. अब तीसरे आरोपी शिलोम को भी राहत मिल गई है. वहीं, मृतक राजा रघुवंशी के भाई सचिन रघुवंशी ने कहा कि हमारे वकील ने जमानत याचिका पर आपत्ति ली थी, इसके बावजूद कोर्ट ने जमानत मंजूर कर ली. हम आगे की कानूनी रणनीति तय करने के लिए वकील से चर्चा कर रहे हैं. इस केस में शिलांग पुलिस ने राजा की हत्या के बाद मुख्य आरोपी सोनम राज और उसके साथियों को कमरा किराए पर देने, हत्या के बाद उनका बैग छिपाने और सबूत मिटाने के मामले में शिलोम जेम्स को आरोपी बनाया था.

# खाट पर सरकार का सिस्टम, सड़क नहीं दो नवजात बच्चियों को दिया जन्म, एक की हुई मौत

नवभारत न्यूज चितरंगी, 19 जुलाई. सरकार के विकास के दावे ही एक टोले की दल-दल कच्ची सड़क ने डोल का पोल खोल दिया है. हुआ यूँ था कि एक महिला को प्रसव कराने के लिए खाट के माध्यम से अस्पताल ले जाया गया. जहां जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल होने से प्रदेश सरकार की किरकिरी भी हो रही है. मामला जनपद पंचायत क्षेत्र चितरंगी के ग्राम पंचायत धानी का है. वही उक्त मामला दो दिन शुक्रवार का बताया जा रहा है. कुछ ऐसी ही इस घटना में भी देखने को मिला है. जिले में एंबुलेंस के आने और



जाने का रास्ता न होने की वजह से एक गर्भवती महिला ने घर पर ही दो जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया, जिनमें से एक बच्ची की कुछ ही घंटे में घर पर ही मौत हो गई. बीते कल दिन शुक्रवार को जब स्थानीय लोगों को इस बात का पता चला तो, उन्होंने महिला

# ऊपरी बर्थ पर रखे बैग से चुराते थे जेवर-नकदी

ट्रेन यात्रियों के दुश्मन बने चोर गैंग का भंडाफोड़ यूपी के 2 शांतिर चढ़े जीआरपी के हथे

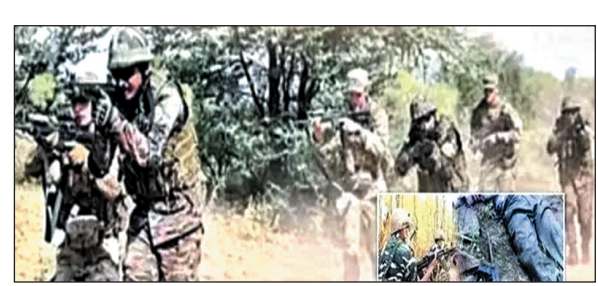
नव भारत न्यूज इंदौर. ट्रेनों में सफर कर रहे यात्रियों के ऊपरी सीटों पर रखे बैगों को काटकर जेवर और नकदी चुराने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए जीआरपी पुलिस ने दो शांतिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने आरोपियों के पास से हजारों रुपए नकद और लाखों के आभूषण बरामद कर लिए हैं. ये आरोपी ट्रेन में आम यात्रियों की



तरह सफर करते हुए चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे और अगला स्टेशन आते ही फरार हो जाते थे. पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है. घटना 22 फरवरी को घटित हुई थी, जब फरियादी अपने

ऐसे देते थे वारदात को अंजाम आरोपी आमतौर पर रात की ट्रेनों में जनरल कोच में सफर करने वाले यात्रियों को निशाना बनाते थे. खुद को यात्री बताकर वे ऊपरी सीट पर बैठे रहते, बैगों की रेकी करते और यात्रियों के सो जाने के बाद धारदार औजार से बैग काटकर कीमती सामान पार कर लेते. स्टेशन आते ही वे ट्रेन से उतरकर भाग जाते थे.

परिवार के साथ कोटा-इंदौर ट्रेन के जनरल कोच में कुम्भराज से इंदौर की यात्रा कर रहा था. ब्यावरा स्टेशन के आसपास किसी ने ऊपर रखे बैग को ब्लेड से काटकर लेडीज पर्स पार कर लिया. उसमें 8,000 की सोने की 'हाय' चूड़ी और 12,000 नगद थे. इसी तरह दूसरी वारदात 4 मई की है. एक महिला यात्री ट्रेन बीना-नागदा पैसेंजर से राधोगढ़ से ब्यावरा की यात्रा कर रही थी. उसके ट्रॉली बैग



से एक छोटा लेडीज पर्स चोरी हुआ, जिसमें करीब 91,000 के सोने-चांदी के जेवर रखे थे. चोरी की वारदातें बढ़ती देख पुलिस अधीक्षक रेल इंदौर संतोष कोरी के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीषा पाठक सोनी व उप पुलिस अधीक्षक ज्योति शर्मा के मार्गदर्शन में जीआरपी ब्यावरा प्रभारी निरीक्षक गोपाल सिंह कनासिया के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई.

# जंगलों में नक्सलियों से मुठभेड़

बालाघाट, 19 जुलाई. जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच जोरदार मुठभेड़ हुई है. यह एनकाउंटर लांजी अनुविभाग के घिरी मुखम-जोना पाठ के घने जंगलों में हुआ, जहां अचानक गोलियों की तड़तड़हट से पूरा इलाका दहल उठा. करीब 15 मिनट तक दोनों ओर से जबरदस्त गोलीबारी चली. कोबरा बटालियन और हॉक फोर्स की टीम गश्त पर थी, तभी जंगल में



छिपे नक्सलियों से आमना-सामना हो गया. बालाघाट पुलिस अधीक्षक ने मुठभेड़ की पुष्टि की है. हालांकि, अब तक किसी के हाताहत होने की जानकारी नहीं मिली है. घटना के बाद से इलाके में सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर है और सघन सर्चिंग अभियान चलाया जा रहा है. पिछले कुछ समय से इस क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों में इजाफा देखा जा रहा है, जिससे सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं.

# अव्यवस्था बीमार की डोली कंधों पर, कमर तक गीले होकर स्कूल जाने को मजबूर नौनिहाल



# पन्ना जिले के गांवों में विकास के दावे फुर्रस

► 200 आबादी वाली दलित बस्ती को सड़क नसीब नहीं

► बारिश के चार माह भोगते हैं काला पानी जैसी सजा सुरेश पाण्डेय पन्ना पन्ना, 19 जुलाई. जिले को प्रदेश में यूँ ही नहीं पिछड़े जिलों में गिना जाता है. यहां शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देरी से मिलता है. सरकार की लाख कोशिशों के बावजूद आज भी पन्ना जिले में कई गांव ऐसे हैं, जो सड़क,

बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है. एक ऐसा ही मामला जिले की पर्वी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत हथकुरी के ग्राम पिपरिया तिवारी का प्रकाश में आया है. जहां 200 लोगों की आबादी वाली दलित बस्ती के रहवासी सड़क मार्ग न होने से नरकीय जीवन जीने मजबूर हैं. बारिश के चार माह उन्हे काला पानी की सजा जैसे बिताने पड़ते हैं. गांव में यदि कोई बीमार होता है, तो उन्हें कंधों या डोली के सहारे ही अस्पताल तक जाना पड़ता है. ग्राम की 65 वर्षीय हकी बाई को उसके परिजनों द्वारा

तपस्या से कम नहीं विद्यालय पहुंचना इस बस्ती के एक दर्जन विद्यार्थी बरसात के दिनों में पहुंच मार्ग न होने की वजह से विद्यालय नहीं जा पाते. महिला सुमित्रा वंशकर ने बताया कि गांव में सड़क मार्ग न होने से वाहन न आने के कारण मेरे बीमार पति की मौत भी बीते महीने हो चुकी है. ग्राम की गर्भवती महिलाओं को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है. वहीं इस मामले पर जनपद पंचायत सीईओ अखिलेश उपाध्याय का कहना है कि जल्द वैकल्पिक व्यवस्था करेंगे, ताकि आवागमन हो सके. वर्षों बाद जिला पंचायत में प्रस्ताव रखेंगे और सड़क मार्ग निर्माण की कार्यवाही की जाएगी.

डोली पर बैठा कर अस्पताल इलाज के लिए ले जाया गया. कई बार शासन प्रशासन से ग्रामीणों के द्वारा पहुंच मार्ग के लिए आवेदन दिया गया, लेकिन आज तक सड़क नहीं मिली. सोचने वाली बात तो यह है कि विकास

# कहर : उफान पर नदी-नाले

नवभारत न्यूज सीधी 19 जुलाई. जिले में तेज बारिश का कहर से नदी-नाले उफान पर आ गये और सड़कें जर्मीदोज होने से आवागमन प्रभावित हुआ है. दो दिन लगातार हुई बारिश से शहर में नदी किनारे मुहल्लों में जलभराव हुआ. ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पुलिया जर्मीदोज होने से आवागमन बंद हो गया. सावन माह के प्रथम ही मानसून के एकटवर होने से सुबह 5 बजे से लेकर रात करीब 10 बजे तक झमाझम बारिश का दौर चला, जिसके चलते नदी-नाले उफान पर आ गये. वहीं सीधी शहर समेत अन्य क्षेत्रों में जगह-जगह जलभराव होने से लोग काफी परेशान दिखे. सीधी शहर में तो



जलभराव की समस्या सबसे ज्यादा हिरन नदी के तटीय क्षेत्रों में सामने आयी. यहां नदी की भूमि में अतिक्रमण कर मकान बना लेने से जल निकासी को लेकर गंभीर समस्या सामने आयी. अगले दिन फिर से झमाझम बारिश का दौर शुरू होने के कारण स्थिति और गंभीर हो गई. सीधी में हिरन क्षेत्र, मड़वास के कई घरों में भी जल भराव की समस्या गंभीर दिखी.